प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4174

एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-20
चतुर्थ प्रश्न पत्र : भाषाविज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम 100 अंक

1. भाषाविज्ञान (इसके अन्तर्गत कुछ चुने हुए विषय)
2. कारकप्रकरण (सिद्धान्त-कौमुदी का)
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरण-शैषिक पर्यन्त) तथा समास प्रकरण।
4. अनुवाद (हिन्दी व संस्कृत में)।

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - भाषा विज्ञान

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है -

भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषयवस्तु एवं विभिन्न पद्धतियाँ, भाषा की परिभाषा, भाषा का स्वरूप तथा सामान्य विशेषताएँ, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम का स्वरूप, ग्रिम, ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि-नियम, भाषाओं का वर्गीकरण-(आकृतिमूलक एवं आनुवंशिक), आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा अपभ्रंश के विशेष संदर्भ में), पाली, प्राकृत एवं संस्कृत भाषा की उत्पत्ति।

द्वितीय इकाई - कारक प्रकरण (सिद्धान्त-कौमुदी से)

तृतीय इकाई - लघुसिद्धान्त कौमुदी का तद्धित प्रकरण शैषिक पर्यन्त।

चतुर्थ इकाई - लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण।

पंचम इकाई - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण -

प्रथम खंड

20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

(क) भाषा विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

(ख) कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) से चार सूत्र अथवा वार्तिक देकर दो की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी–शैषिक भाग पर्यन्त) चार शब्द देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) से किन्ही चार समस्त–पदों को देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) हिन्दी भाषा में विकल्पसहित एक (लगभग दस वाक्यों वाला अवतरण संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के लिए दिया जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15-15** अंक निर्धारित हैं।

प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत भाषाविज्ञान के किन्ही दो विषयों से प्रश्न पूछे जायेंगे। **15** अंक

द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यवस्था है – **15** अंक

(1) कारकसूत्रों अथवा वार्तिकों की व्याख्या कोई चार देकर दो की।

(2) तद्धित सूत्र (शैषिक पर्यन्त) व्याख्या कोई चार देकर दो की ।

सहायक पुस्तकें –

1. भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान – मंगलदेव शास्त्री
4. आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ. मोतीलाल गुप्त एवं रघुवीर प्रसाद भटनागर (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)
5. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – भोलाशंकर व्यास
6. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय – डॉ. देवीदत्त शर्मा
7. कारकप्रकरण – व्याख्या श्रीधरानन्द शास्त्री
8. लघुसिद्धान्त कौमुदी – व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा
9. प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी
10. बृहदनुवादचन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल हंस
11. अनुवादकला – चारुदेव शास्त्री
12. संस्कृतव्याकरण – कपिलदेव द्विवेदी
13. भाषाविज्ञानस्य रूपरेखा – पं. गिरिधरलाल शास्त्री

14. सिद्धान्तकौमुदी - द्वितीय भाग - पं. बालकृष्ण व्यास
15. कारक प्रबोध - डॉ. हेमलता बोलिया

*****